मन पलाश हो गया...!

भरे फाग बेरंग पड़ा था मन,
सरे चौखट बेसब्र खड़ा था मन,
तेरी खबर मिली तो
उल्लास हो गया....!

दूर- दूर तक
फैला था सन्नाटा,
कोई शोर नही था,
तेरे आने की आहट हुई तो
मुट्ठी में आकाश हो गया....!

चारो ओर रंग औ
नूर छा गया,
बुलबुल ने छेड़ा तराना,
तुम आए तो
खिल उठा मन पलाश हो गया...!

जा छुपी परदे के पीछे...
बीन गुलाल के लाल हो गई...
तेरी नजर पड़ी तो
मधुमास हो गया...!

डॉ0 रजनी गुप्ता